MPPSC Prelims 2023

मध्यप्रदेश का पहला सहकारिता विश्वविद्यालय

सहकारिता मंत्री डॉ. भदौरिया ने बताया कि हाल ही में दिल्ली में केन्द्रीय सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह की अध्यक्षता में हुई एक बैठक में **सहकारिता विश्वविद्यालय** की स्थापना करने पर हुई चर्चा में मध्यप्रदेश के इंदौर अथवा भोपाल में विश्वविद्यालय शुरू करने के उनके प्रस्ताव पर सैद्धतिक स्वीकृति प्रदान की गई।

Current AFFAIRS

हिंदी हैं हम वतन है

भारत का संविधान किसी भी भाषा को राष्ट्रीय भाषा का दर्जा नहीं देता है। लेकिन देवनागरी लिपि में हिंदी अनुच्छेद 343 के अनुसार भारत में केंद्र सरकार और संघ की आधिकारिक भाषा है।

हिंदी को 14 सितंबर, 1953 को आधिकारिक भाषा के रूप में स्वीकार किया गया था। तब से ही हिंदी दिवस 14 सितंबर को मनाया जाता है।

हिंदी इंडो-आर्यन भाषा अंग्रेजी और मंदारिन चीनी के बाद विश्व स्तर पर सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा है।

Current AFFAIRS

हिंदी हैं हम वतन है

गृह मंत्रालय के एक स्वतंत्र विभाग के रूप में जून, 1975 में राजभाषा विभाग की स्थापना की गई थी।

विश्व हिन्दी दिवस- 10 जनवरी

भारत के अलावा मॉरिशस, सूरीनाम, गयाना, फ़िजी, त्रिनिदाद टोबैगो और नेपाल में भी हिंदी बोलने और समझने वाले लोगों की आबादी है।

2011 के जनगणना के आंकड़ों के मुताबिक, देशभर की आबादी के 43.63% लोगों की मातृभाषा हिंदी है।

गौरतलब है कि हिंदी. भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल 22 भाषाओं में से एक है

लिपि- देवनागरी.

1953 से 14 सितंबर को हिंदी दिवस हिन्दी दिवस मनाया जाता है।

14 सितंबर - राजेंद्र सिम्हा का जन्मदिन भी मनाया जाता है।

उन्होंने देवनागरी लिपि में हिंदी को भारत की आधिकारिक भाषा के रूप में मंजूरी दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी

इस दिन विभिन्न मंत्रालयों/विभागों द्वारा हिंदी भाषा के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए, हिंदी सप्ताह /पखवाड़ा/ माह का आयोजन किया जाता है

कौटिल्य एकेडमी

www.kautilyaacademy.com IAS·IPS·MPPSC·CJ-II

समुद्रयान मिशन

समुद्र की गहराई में हिन्दुस्तान

- भारत गहरे समुद्र में छिपे रहस्यों को जानने के लिए देश के पहले समुद्रयान मिशन 'मत्स्य 6000' को लांच करने वाला है जो बनकर पूरी तरह से तैयार है।
- समुद्रयान परियोजना भारत का पहला मानवयुक्त महासागर मिशन है।
- राष्ट्रीय महासागर प्रौद्योगिकी संस्थान और पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय ने मिलकर पनडुब्बी MATSYA 6000 बनाई है।
- ट्रायल के लिए 2024 में पनडुब्बी को चेन्नई तट से उतारा जाएगा।
- तीन लोगों को बैठाकर 6000 मीटर की गहराई तक उतारा जाएगा।
- उद्देश्य- संसाधनों का अध्ययन और जैव विविधता का मूल्यांकन। इस मिशन के 2026 तक पूरे होने की संभावना है।